25.7.24

Date ______ Page 1

कुंजी

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा

विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-6 'वृक्ष की गवाही') 'कुंजी'

पुस्तक - नवतरंग - 7

पाठ बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखो :-

(क) प्र०- 'जब तुम वहाँ गए थे तभी वृक्ष गवाही देकर चला गया।' न्यायाधीश ने यह बात क्यों कही?

उत्तर- न्यायाधीश ने यह बात इसलिए कही क्योंकि गोविंद का मानना था कि कोई वृक्ष भी कहीं गवाही देने आ सकता है? न्यायाधीश ने उसे ऐसे ही वृक्ष को बुलाने के लिए भेजकर उसका समय बरबाद किया है। उसके मन में यह भी खयाल आ रहा था कि गवाह के अभाव में उसके पैसे उसे वापस नहीं मिलेंगे। जबकि न्यायाधीश ने उसे बताया कि तुम्हारे पीछे से पीपल का वृक्ष आया और तुम्हारे पक्ष में गवाही देकर चला गया।

प्र(ख) 'तुम रसीद या गवाह लाओ, मैं रुपए देने को तैयार हूँ।' यह बात किसने, किससे कही और क्यों?

उत्तर- 'तुम रसीद या गवाह लाओ, मैं रुपए देने को तैयार हूँ।' यह बात मोहन ने गोविंद से कही क्योंकि उसे पता था कि उसने पैसे लेते समय गोविंद को कोई रसीद नहीं दी थी और पीपल के पेड़ के नीचे जहाँ कोई भी नहीं था, वहाँ पैसे लिए थे। इसलिए उसके पास कोई गवाह नहीं था। इन सब बातों को जानते हुए ही मोहन ने गोविंद से रसीद या गवाह माँगा।

विस्तार से

प्र०(क) किन बातों से पता चलता है कि मोहन के दिल में शुरू से ही बेईमानी थी?

उत्तर- जब गोविंद, मोहन के पास अपने पैसे रखने के लिए कहता है। तब मोहन गोविंद को अपने घर न बुलाकर

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

'कुंजी'

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-6 'वृक्ष की गवाही') 'कुंजी'

पीपल के पेड़ के नीचे बुलाया। वह एकांत में गोविंद को बुलाकर कोई गवाह नहीं रहने देना चाहता था। दूसरी बात यह कि जब वह गोविंद से पैसे लेता है, तब वह गोविंद को रसीद देने का झूठा नाटक करता है जबकि वह जान बूझकर अपने साथ कागज़ और पेंसिल लेकर नहीं आया था। इन दोनों बातों से पता चलता है कि मोहन के दिल में शुरू से ही बेईमानी थी।

प्रश्न (ख) न्यायाधीश ने सच्चाई पता करने की क्या योजना बनाई?
उत्तर- जब न्यायाधीश के सामने मोहन और गोविंद आए तो दोनों ने अपना-अपना पक्ष रखा। तब न्यायाधीश ने एक योजना बनाकर गोविंद से गवाह लाने को कहा। गोविंद ने न्यायाधीश से कहा कि मेरे पास कोई रसीद या गवाह नहीं है। उसने पैसे पीपल के पेड़ के नीचे दिए थे। इस पर न्यायाधीश ने उसे पीपल के पेड़ को ही लाने भेज दिया। गोविंद के जाने के कुछ देर बाद न्यायाधीश मोहन की ओर मुख करके बोले, "अभी तक मोहन नहीं आया। इस बात को सुनकर मोहन बोला, "वह पीपल का पेड़ तो एक मील दूर है, वह तो अभी आधी दूर भी न पहुँचा होगा। इस बात को सुनकर न्यायाधीश जी बोले कि तुम्हें कैसे पता कि पेड़ एक मील दूर है। तुमने सच में गोविंद के पैसे लिए होंगे। यह सुनकर मोहन डर गया और उसने न्यायाधीश को सब कुछ सच बता दिया।

प्र०-ग मोहन ने पूरे नाटक में कौन-कौन से झूठ बोले? आपको वे बातें झूठ क्यों लगती हैं? कारण सहित बताइए।
उत्तर- मोहन ने नाटक में पहला झूठ यह बोला कि वह पैसों की रसीद तो देना चाहता है पर उसके पास कागज़ और पेंसिल नहीं है। जबकि वह जानबूझकर कागज़-पेंसिल नहीं लाया था। दूसरा झूठ उसने यह बोला कि तुमने मुझे कोई पैसे नहीं दिए हैं। यदि दिए हैं तो कोई गवाह लाओ जबकि उसे पता था कि गोविंद ने उस पर भरोसा करके उसे पीपल के पेड़ के नीचे पैसे दिए थे।

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner

'कुंजी'

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-6 'वृक्ष की गवाही') कुंजी

जहाँ कोई गवाह मौजूद नहीं था। तीसरा झूठ वह न्यायाधीश से बोलता है परन्तु न्यायाधीश उसका झूठ पकड़ लेते हैं।

ये बातें हमें ---- झूठ इसलिए लगती हैं क्योंकि मोहन शुरू से ही झूठ बोल रहा था। उसके मन में गोविंद के पैसे मारने का विचार पहले ही आ गया था। दूसरी ओर गोविंद एक भोला-भाला इन्सान था। जिसने मोहन को अपना सच्चा मित्र माना और उसे बिना गवाह और रसीद के पैसे दे दिए। वहीं दूसरी ओर अगर मोहन सच्चा होता तो पैसे गोविंद से लेने के लिए उसे अपने घर पर बुलाता, साथ ही रसीद भी देता। इस सब बातों से ही हमें लगता है कि मोहन ने नाटक में बहुत झूठ बोले हैं।

अंतिम पृष्ठ - 3

Scanned with CamScanner